

विरह पुं. (तत्.) 1. बिछोह, वियोग 2. विशेषतः प्रेमियों का पार्थक्य 3. अभाव 4. अविद्यमानता 5. वियोग में अनुभूत होने वाला अनुराग।

विरहज वि. (तत्.) जिसका जन्म वियोग से हुआ हो, वियोग से उत्पन्न।

विरहजनित वि. (तत्.) विरह से उत्पन्न, वियोगज।

विरहजन्य वि. (तत्.) वियोग के कारण उत्पन्न।

विरह-ज्वर पुं. (तत्.) विरह के प्रभाव स्वरूप उत्पन्न ताप, बिछोह के कारण उत्पन्न बुखार।

विरह-निवेदन पुं. (तत्.) अपनी विरहास्था के दुःख का वर्णन और प्रिय से उससे मुक्त करने की प्रार्थना करना।

विरह-विधुरा वि. (तत्.) प्रिय व्यक्ति के बिछोह के कारण विधुरा जैसी व्याकुल अथवा पीड़ित, विरह के कारण दुःखी।

विरहाग्नि स्त्री. (तत्.) प्रिय व्यक्ति के बिछोह के कारण उत्पन्न होने वाला घोर मानसिक कष्ट, वियोग की आग।

विरहानल पुं. (तत्.) प्रिय व्यक्ति के बिछुडने के कारण पैदा होने वाली असह्य मानसिक वेदना, विरह की आग, विरहाग्नि।

विरहार्क पुं. (तत्.) विरह रूपी सूर्य, प्रिय व्यक्ति वियोग के कारण सूर्य के ताप के समान तीक्ष्ण और दाह का संताप।

विरहार्त वि. (तत्.) प्रिय व्यक्ति के वियोग का कष्ट भोगने वाला, बिछोह के कारण दुःखी।

विरहिणी स्त्री. (तत्.) अपने पति अथवा प्रेमी से वियोग के कारण दुःखी स्त्री।

विरहित वि. (तत्.) 1. छोड़ा हुआ, परित्यक्त, त्यागा हुआ 2. वियुक्त 3. एकाकी, अकेला।

विरही पुं. (तत्.) अपनी पत्नी अथवा प्रेमिका से वियोग हो जाने के कारण दुःखी पुरुष, वियोगी विलो. विरहिणी। वि. (तत्.) विरह से संबंधित जैसे- विरही जीवन साक्षात् नर्क-यातना के समान है।

विरहोत्कंठिता स्त्री. (तत्.) काव्य. नायिका भेद के अनुसार प्रिय के न आने के कारण दुःखित नायिका।

विराग वि. (तत्.) 1. रंग का बदलना 2. वृत्ति-परिवर्तन, स्नेहाभाव असंतुष्टि 3. अरुचि, इच्छा न होना 4. सांसारिक वासनाओं के प्रति उदासीनता, राग से मुक्ति उदा. दो पद्म पलाश चषक से दृग देते अनुराग विराग ढाल 'कामायनी'- प्रसाद (कामायनी)

विरागी वि. (तत्.) चाहत से दूर, अनुराग-रहित, उदासीन, विरक्त, निर्विषय।

विराजना अ.क्रि. (तद्.) शोभित होना, बैठना।

विराजमान वि. (तत्.) 1. सुशोभित, विद्यमान 2. प्रकाशयुक्त, चमकता हुआ।

विराजित वि. (तत्.) 1. उपस्थित, सुशोभित 2. प्रकाशित, प्रसिद्ध।

विराट् वि. (तत्.) बहुत बड़ा पुं. मत्स्य देश (अलवर, जयपुर आदि का भूभाग), मत्स्य देश का राजा, बुद्ध, संगीत में एक ताल।

विराध पुं. (तत्.) 1. एक बली राक्षस जिसे राम ने मारा था 2. विरोध 3. सताना, संतप्त करना, छेड़छाड़।

विराम पुं. (तत्.) 1. रुकना, ठहरना 2. विश्राम 3. पद, सेवा, कार्य आदि से अवकाश ग्रहण करना retirement 4. वाक्य में वह स्थान जहाँ बोलते समय कुछ रुकना पड़ता है 5. पद्य के चरण में यति 6. रेडियो तथा टेलीविजन पर प्रसारित होते हुए कथाक्रम या कार्यक्रम को कुछ क्षणों के लिए रोका जाना।

विराम-काल पुं. (तत्.) वह समय अथवा अवकाश जो विराम करने अथवा सुस्ताने के लिए मिलता है।

विराम-चिह्न पुं. (तत्.) भाषा. लेखन अथवा मुद्रण में प्रयुक्त कुछ विशेष चिह्न जिनसे किसी पद, वाक्यांश अथवा वाक्य के बाद रुकने इत्यादि के संकेत मिले जैसे- अल्पविराम, पूर्णविराम, उद्धरण चिह्न आदि।

विराम-संधि स्त्री. (तत्.) राज. युद्धरत देशों के बीच थोड़े समय के लिए युद्ध रोक देने के बारे